Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**
(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

Knowledgeable Research
ISSN 2583-6633
Vol.02, No.09, April, 2024
http://knowledgeableresearch.com/

शिक्षित एवं अशिक्षित ग्रामीण शादीशुदा महिलाओं के पारिवारिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

डा॰ आशुतोष शर्मा
सहायक प्राध्यापक
शिक्षा विभाग,स्कूल ऑफ एजूकेशन
आईएफटीएम विश्वविद्यालय मुरादाबाद।
Email: ashutosh.sharma@iftmuniversity.ac.in

****

शोध सार:- *भारतीय समाज में, घर में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन महिलाओं के लिए स्वतंत्रता की भावना और समाज में एक स्थान होना भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाने, उन्हें सक्षम और बुद्धिमान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, शिक्षित महिलाओं के बीच अत्यधिक स्वतंत्रता चुनौतियों का कारण बन सकती है, खासकर ग्रामीण परिवेश में। शादी के बाद, महिलाओं को नई पारिवारिक अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना पड़ता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता सीमित हो सकती है। शिक्षित महिलाएँ ग्रामीण, अशिक्षित वातावरण में विवश महसूस कर सकती हैं, जिससे उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।*

सूचक शब्द. *शिक्षित, अशिक्षित, ग्रामीण, विवाहित, महिला, परिवार*

********** ********** ********** ********** ********** **********

प्रस्तावना:-

परिवार, समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई है। परिवार का निर्माण महिला और पुरूष के पारस्परिक विवाह द्वारा होता है। महिला और पुरुष दोनों पारिवारिक जीवन के दो पहिये होते हैं। सामान्यतः आन्तरिक उत्तरदायित्व महिला का है, और वाह्य पुरूष का। पुरूष यद्यपि परिवार के पालन-पोषण हेतु धन अर्जित करता है, किन्तु एक परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बनाये रखने एवं परिवार की आन्तरिक आवश्यकताओं की पूर्ति की जिम्मेदारी महिला की होती है। इसके साथ ही महिलाएं वंश का सृजन करती हैं, बालक को संस्कार देती हैं और बालक का प्रथम गुरू होने के नाते शिक्षा के मार्ग पर अग्रसर करती हैं। विवाहित महिलाएं पत्नी, माता, चाची, भाभी आदि रूपों में अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करती हैं। विवाहित महिलाओं का दृष्टिकोण विभिन्न समस्याओं के प्रति जितना स्पष्ट व परिपक्व होता है, कोई परिवार, समाज तथा राष्ट्र उतना ही तेजी के साथ विकसित होता है।

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा
Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**
(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

अतः विवाहित महिलाओं का शिक्षित होना अत्यन्त आवश्यक है। शिक्षित विवाहित महिला परिवार, वंश और समाज के लिये एक बहुमूल्य सम्पत्ति होती है। भारतीय समाज में यद्यपि महिलाओं को सम्मानीय स्थान दिया जाता है, किन्तु शिक्षित महिला समाज में अपनी अलग पहचान बनाती है। शब्दों द्वारा दिये गये सम्मान के साथ यह भी आवश्यक है कि महिलाओं को संतुष्ट एवं सुखद जीवन प्राप्त हो।

भारतीय सभ्यता में चूंकि महिलाओं की पारिवारिक भूमिका अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिये यह आवश्यक है कि महिलाओं को अपने परिवार में सन्तुष्टि, समाज में उचित स्थान तथा व्यावहारिक जीवन में स्वतन्त्रता प्राप्त हो। इस हेतु शिक्षा ही महिलाओं को पर्याप्त कुशल एवं विवेकशील बनाती है। किन्तु इसके विपरीत शिक्षित महिलाओं में आधुनिकता के नाम पर अत्यधिक स्वतन्त्रता एवं उदारता ने भी अनेक समस्याओं को जन्म दिया है।

यह समस्या उस समय और भी विषम हो जाती है, जब परिवेश ग्रामीण हो। विवाह के उपरान्त लड़की को अपना घर, परिवार छोडने के बाद मिलने वाले नये संबंधियो के साथ तालमेल स्थापित करना होता है, जो विभिन्न अपेक्षाओं और विचारधाराओं को धारण करने वाले होते हैं, जिसे या तो वह शिक्षित होने के कारण अपने को ग्रामीण वातावरण एवं सामाजिक व्यवस्था के अनुकूल -बूझ के बल पर कहीं भी समायोजन कर सकती हैय अथवा कभी-कभी शिक्षित लड़की अपने को ग्रामीण व अशिक्षित परिवेश में अनेक बंधनों से बँधा हुआ महसूस करेगी। इससे उसकी अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता बाधित होगी।

फलतः उसमें मानसिक तनाव और कुण्ठा की भावना समायोजन में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इस प्रकार महिलाओं के जीवन में सफलता, सुख-शान्ति आदि सब कुछ उसकी शिक्षा और शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्राप्त के प्रयोग करने की कला पर निर्भर करता है। स्पष्ट है कि यह एक विचारणीय तथ्य है कि भारतीय दशाओं में विशेषकर ग्रामीण परिवेश में विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन में शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

उद्देश्य:- शोध का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन करना है।

अध्ययन क्षेत्र:- प्रस्तुत शोध का अध्ययन क्षेत्र जनपद बदायू है। जनपद बदायू, सम्भल तथा बरेली के मध्य स्थित एक प्राचीन जनपद है,

जिसमें 18 विकास खण्ड और 5 तहसीलें हैं, ये तहसीलें है- बदायू, , सहसवान, बिल्सी ,बिसौली, दातागंज , ।

बिधानसभा 6 है। ये विधान सभा है- बदायू , सहसवान, बिल्सी ,बिसौली, दातागंज , शेखुपुर ।

शोध प्रविधि-

प्रस्तुत अध्ययन में उपर्युक्त तहसीलों के ग्रामीण क्षेत्र में समान अनुपात में चारों विवाहित महिलाओं का चयन किया गया है, जिनमें से 35 शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलायें तथा 65 अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलायें हैं। सर्वेक्षण हेतु शोधकत्री द्वारा वैकल्पिक उत्तर वाली साक्षात्कार प्रश्नावली का निर्माण स्वयं किया गया है। इस प्रश्नावली में प्रत्येक प्रश्न के दो संभावित उत्तर दिये गये है, जिनमें से एक पर उत्तरदाता को सही का चिन्ह लगाना है।

प्रश्नावली में निम्नांकित 16 प्रश्न रखे गये हैं-

1. क्या आपकी सास आपके कार्य की प्रशंसा करती हैं ? हाँ/नहीं

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा
Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**
(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

2. क्या आपका आपकी सास से झगड़ा होता है ? हाँ /नहीं

3. क्या आपको घर के बाहर परिवार वालों की पसंद के कपड़े पहनना अच्छा लगता है ? हाँ/नहीं

4. क्या शिक्षित होने से समायोजन क्षमता कम हो जाती है ? हाँ/नहीं

5. क्या आप हर बात को तर्कसंगत लगने पर ही स्वीकार करती हैं ? हाँ /नहीं

6. क्या आप परिवार के सदस्यों की गलत बात का विरोध करती है ? हाँ/नहीं

7. क्या आप अपने परिवार के सदस्यों को अपने हिसाब से बदलना चाहती है ? हाँ/नहीं

8. क्या आपके मन में अक्सर यह इच्छा होती है कि आप अपने घर और परिवार छोड़कर कहीं चली जायें ? हाँ/नहीं

9. क्या आपको केवल अपनी पसन्द का भोजन बनाना अच्छा लगता है ? हाँ/नहीं

10. क्या आपको घर के रीति रिवाजों व परम्पराओं का पालन करना अच्छा लगता है ? हाँ/नहीं

11. क्या आप अपने घर की साज-सज्जा अपने तरीके से करना चाहती हैं ? हाँ / नहीं

12. क्या आप पूरे परिवार के साथ बाहर घूमना पसंद करती हैं ? हाँ/नहीं

13. क्या आप सोचती है कि विवाह करके आपने एक बड़ी गलती की है ? हाँ/नहीं

14. क्या आपको ऐसा लगता है कि आपके परिवार वाले आपकी इच्छाओं और भावनाओं की कद्र करते हैं ? हाँ/नहीं

15. क्या आप अपनी उलझन का समाधान परिवार के सदस्यों से विचार विमर्श करके करती है ? हाँ/नहीं

16. क्या आपकी राय में परिवार में शिक्षित महिलायें अधिक अच्छा समायोजन करती हैं ? हाँ/नहीं

परिकल्पनायें:-

(अ) मुख्य परिकल्पना:- "ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन के मध्य कोई अंतर नहीं है।"

उप परिकल्पनायें:- अध्ययन निम्नलिखित उपपरिकल्पनाओं के आधार पर सम्पादित किया गया है-

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा
Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**

(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

1. प्रथम प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2. द्वितीय प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

3. तृतीय प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4. चैथे प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

5. पांचवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

6. छठे प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

7. सातवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

8. आठवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

9. नवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

10. दसवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

11. ग्यारहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

12. बारहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

13. तेरहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

14. चैदहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा

Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**

(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

15. पन्द्रहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

16. सोलहवें प्रश्न के संदर्भ में सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलाओं और ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की संख्या मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

ग्रामीण विवाहित महिलाओं का पारिवारिक समायोजन के प्रति दृष्टिकोण का अंकन

तालिका संख्या-01

प्रश्न संख्या	शिक्षा	सकारात्मक (हा)	नकारात्मक (नहीं)	योग
1	शिक्षित	29	6	35
	अशिक्षित	33	32	65
2	शिक्षित	25	10	35
	अशिक्षित	29	36	65
3	शिक्षित	21	14	35
	अशिक्षित	48	17	65
4	शिक्षित	31	4	35
	अशिक्षित	41	24	65
5	शिक्षित	21	14	35
	अशिक्षित	31	34	65
6	शिक्षित	8	27	35
	अशिक्षित	26	39	65
7	शिक्षित	17	18	35
	अशिक्षित	28	37	65
8	शिक्षित	31	4	35
	अशिक्षित	47	18	65
9	शिक्षित	25	10	35
	अशिक्षित	29	36	65
10	शिक्षित	29	6	35
	अशिक्षित	48	17	65
11	शिक्षित	7	28	35
	अशिक्षित	19	46	65
12	शिक्षित	28	7	35
	अशिक्षित	32	33	65
13	शिक्षित	32	3	35
	अशिक्षित	39	26	65
14	शिक्षित	30	5	35
	अशिक्षित	32	33	65
15	शिक्षित	26	9	35
	अशिक्षित	30	35	65

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा

Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**

(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

16	शिक्षित	33	2	35
	अशिक्षित	58	7	65

आंकणों का विश्लेषण:-

काई-वर्ग परीक्षण की सहायता से विभिन्न उपपरिकल्पनाओं के परीक्षण को तालिका नंम्बर 2 में दर्शाया गया है।

उपपरिकल्पनाओं का परिक्षण:-

तालिका संख्या-02

परिकल्पना संख्या	स्वतन्त्रयांश	काई-वर्ग सारणी मूल्य (5प्रतिशत) सार्थकता स्तर	काई-वर्ग परिगणित मूल्य	अन्तर की सार्थकता	परिकल्पना
1	1	3.84	9.92	सार्थक	अस्वीकृत
2	1	3.84	6.57	सार्थक	अस्वीकृत
3	1	3.84	2.03	अर्थहीन	स्वीकृत
4	1	3.84	7.31	सार्थक	अस्वीकृत
5	1	3.84	1.37	अर्थहीन	स्वीकृत
6	1	3.84	2.95	अर्थहीन	स्वीकृत
7	1	3.84	0.26	अर्थहीन	स्वीकृत
8	1	3.84	3.49	अर्थहीन	स्वीकृत
9	1	3.84	6.57	सार्थक	अस्वीकृत
10	1	3.84	1.58	अर्थहीन	स्वीकृत
11	1	3.84	1.00	अर्थहीन	स्वीकृत
12	1	3.84	8.96	सार्थक	अस्वीकृत
13	1	3.84	10.89	सार्थक	अस्वीकृत
14	1	3.84	12.82	सार्थक	अस्वीकृत
15	1	3.84	7.28	सार्थक	अस्वीकृत
16	1	3.84	0.69	अर्थहीन	स्वीकृत

निर्वचन:-

उक्त तालिका-2 के अध्ययन से स्पष्ट है कि-

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा

Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**

(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

1. परिकल्पना संख्या 1 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के 8 पारिवारिक समायोजन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तव में शिक्षा ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता में वृद्धि करती है।

2. परिकल्पना संख्या 2 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तव में शिक्षा ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता में वृद्धि करती है।

3 .परिकल्पना संख्या 3 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

4. परिकल्पना संख्या 4 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर प्रभाव पड़ता है। अर्थात शिक्षित महिलाओं की समायोजन क्षमता अशिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

5. परिकल्पना संख्या 5 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमताए शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

6. परिकल्पना संख्या 6 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमताए शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

7. परिकल्पना संख्या 7 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

8. परिकल्पना संख्या 8 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की पारिवारिक समायोजन क्षमता पर कोई प्रभाव नही पड़ता है। अर्थात अशिक्षित ग्रामीण महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित ग्रामीण महिलाओं की तुलना में अधिक है।

9. परिकल्पना संख्या 9 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। अर्थात शिक्षित विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता अशिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

10. परिकल्पना संख्या 10 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

11. परिकल्पना संख्या 11 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

12. परिकल्पना संख्या 12 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। अर्थात शिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता अशिक्षित ग्रामीण विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा

Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.09, April, 2024**

(An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal)

13. परिकल्पना संख्या 13 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं की पारिवारिक समायोजन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। अर्थात शिक्षित ग्रामीण महिलाओं की समायोजन क्षमता अशिक्षित ग्रामीण महिलाओं पड़ता है। अर्थात अशिक्षित महिलाओं की समायोजन क्षमता शिक्षित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

14. परिकल्पना संख्या 14 के परीक्षण से स्पष्ट है कि शिक्षा का विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। अर्थात शिक्षित ग्रामीण महिलाओं की समायोजन क्षमता अशिक्षित ग्रामीण महिलाओं की तुलना में अधिक है।

15. परिकल्पना संख्या 15 के परीक्षण से यह मानना गलत है कि इस प्रश्न के सन्दर्भ में शिक्षा का ग्रामीण विवाहित महिलाओं के पारिवारिक समायोजन क्षमता पर कोई प्रभाव नही पड़ता है। वास्तव में शिक्षा ग्रामीण विवाहित महिलाओं की समायोजन क्षमता में वृद्धि करती है।

16. परिकल्पना संख्या 16 के परीक्षण से स्पष्ट है कि इस प्रश्न से प्राप्त उत्तरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि, ग्रामीण शिक्षित विवाहित महिलायें ग्रामीण अशिक्षित विवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक अच्छा समायोजन करती है।

निष्कर्ष :–

तालिका सं०- 3 से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रयांश 16 के लिये 5 प्रतिशत सार्थकता स्तर पर निर्धारित काई-वर्ग मूल्य 26.3 है, जबकि काई-वर्ग का परिगणित मूल्य 83.69 हैए जो सारणी मूल्य से अधिक होने के कारण सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई है। निष्कर्षतः शिक्षा ग्रामीण शिक्षित महिलाओं की समायोजन क्षमता में वृद्धि करती है। अर्थात् शिक्षित महिलाओं में अशिक्षित महिलाओं की अपेक्षा समायोजन क्षमता अधिक होती है।

संदर्भ सूची:-

1. Agarwal, M.: A study of the impact of education on social and cultural modernization of Hindu and Muslim women, Ph.D Edu., Kur. Univ. 1980.

2. Chanana, Kauna: women's work education and family strategies in the context of social change and mobility. Independent study, J.N.U., 1979.

3. Kunja Kusum: Socio-economic status of educated working women of kemrep district, A study of its impact on society Ph.D, Edu, gaurati, Univ, 1990.

4. Kantamma, K. Status of women in relation to educational Employment and Marriage. M.Phil, adult Education Sri Venratesware Univ. 1990.

5. Ruhela, S.P.: Sociological foundation of Education in contemporary India Dhanpat Rai., 1970.

6. Vasuki, N.: Attitudes of women towards women's Education. M.Phil, Edu, Aviamshiligram Institute for home science and higher Education of women, 1990.

7. विद्यालंकार, सत्यकेतु प्रचीन काल का धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन।

8. कपूर, प्रमिला रू भारत में विवाह व कामकाजी महिलाएं, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।

Author Name: डा0 आशुतोष शर्मा

Received Date: 11.04.2024
Publication Date: 25.04.2024